

DPN 6439

Title: 1. होमविधि / HOMAVIDHI 2. पिण्डक्रियाविधि / PINDKRIYĀVIDHI
3. धूम्राङ्गरी पूजाविधि / DHŪMĀṆḌĀRI PŪJĀVIDHI
4. थसिम छये विधान / THASEMĀCHĀYA VIDHĀNA

Run. No. 7164

Cat. No. (शिवोदासस्थापनविधि) Micro. No.

Subject Ritual

Religion: Hindu / Bauddha
(Sirodārusthāpanavidhi)

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23.5 x 7.6

Folios 26 (3-28) Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor गुणसेन बज्राचार्य / विजयसिंह
बज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS 735

Ruler / place बज्र श्री महाबिहार

Script: New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

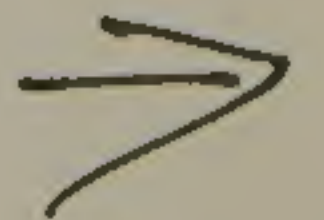
Illus.: of Vajraśtimahāvihāra
scribed by Guṇasena Vajracārya
for Vijayasimha Vajracārya of
Lagana mahāvihāra

Material: palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

Direction is in Newāra.



P. Colophon:-

1. ॥ इति अग्न्याहुति विधिः ॥ ॥ ... इति देवताहुति विधिः ॥ ॥ ... इति
संसाहुति विधिः ॥ ... ~~इति होम विधिः~~ ॥ ॥ इति होम
विधिः ॥ ॥ शुभम् ॥ ॥
2. ॥ इति पिण्ड क्रिया विधिः ॥ शुभम् ॥
3. ॥ इति पिण्ड क्रिया विधिः समाप्तः ॥ ॥ शुभम् ॥
4. ~~इति धुमागारी पूजा विधिः समाप्तः ॥ ॥~~
5. ~~इति शिरो दान स्थापन विधिः ॥~~ धरिमा दाय विधानं शुभम् ॥ ॥
सम्बत १६५ आश्वीन-कुण्ड चतुर्थी-तीस आश्वीनवार दिवस संपूर्ण
दिन ॥ ॥ एतं मेधा ^स महाविहार बजाचार्य विजयसिंहशर्मा ~~लोचका~~
शुभम् ॥ ॥ दिवस बजा श्री महाविहार बजाचार्य गुणसेन ॥ ॥
शुभम् ॥ ॥ भवतु सर्वदाकारं ॥ ॥

अथ गिरि नवऽ। यस्व हा भाऊ मस्य ॥ उं अक्राय स्वाहा ॥ अन्न कयान ॥ उं आमाय स्वा
 हा ॥ अं वज्र गानाय स्वाहा ॥ खयनसि ॥ उं वज्र वृक्षाय स्वाहा ॥ अग्रामावस्थि ॥
 उं वज्र कर्त्रेण यस्वाहा ॥ वृत्तसि ॥ उं वज्र यस्व स्वाहा ॥ इवलासे ॥ उं वज्र शनि
 मनाय स्वाहा ॥ शनि कीर्त्तन ॥ उं ॥ अथ ॥ विष्ट काय ॥ वने गगन ॥ उं वज्र लनाय
 स्वाहा ॥ विलाख ॥ उं वज्र वीजाय स्वाहा ॥ उं वज्र कर्त्रेण ॥ उं मधुन स्वाहा ॥ मद्रक मि ॥ उं अ
 ॥ काय स्वाहा ॥ अश्राय सि ॥ उं सर्वपाप प्रणमनाय स्वाहा ॥ वं कसि ॥ उं वं सरुका

नाय स्वाहा ॥ उं वसि ॥ उं सर्ववे ॥ अयमनाय स्वाहा ॥ के देव कं गं रुदि ॥ उं वज्राय स्वा
 स्वाहा ॥ उं वार्कि ॥ अयमनाय स्वाहा ॥ उं सर्वयावदह न वज्राय सर्वयावदह स्वाहा ॥ निलानां ॥ उं वज्र
 स्वाहा ॥ अं रुद्रना ॥ उं वज्रवंगाय स्वाहा ॥ अं रुद्रना ॥ उं वज्रवंगाय स्वाहा ॥ अं रुद्रना ॥
 उं वज्रविनाय स्वाहा ॥ धान्यस्य ॥ उं वज्रमहावनाय स्वाहा ॥ मास ॥ भवान् ॥ कच
 नि ॥ उं वज्रलाजाय स्वाहा ॥ गाय ॥ उं सर्वार्थसिन्धुय स्वाहा ॥ अं कायका ॥ उं सर्वसंयद
 स्वाहा ॥ दाजा धनिजा ॥ उं अः वज्रदर्शनिकलाय स्वाहा ॥ धुनिकालसि ॥ अं सर्ववि

नमास्वस्त्य देवग समन्त नवानां निगल्ववा इह द्या ॥ यथायदाययूजा ॥ लाश्याद्य ॥
 वा दत्त मुनि ॥ मन्त्रगुण ॥ श्रुवायागसंसेवनं ॥ वर्यरु सहायकं मन्त्र ॥ उं वज्रसत्त्व
 आ ॥ ३ ॥ ॥ स्वस्तिवाक ॥ उं अं रुद्र
 वाहाने ॥ अं मूकस्थयुष्टिं कुरु ॥ स्वाहा ॥ यथायदाययूजा ॥ लाश्याद्य ॥ वाद
 नमुनि गद्य ॥ ॥ ॥ निगुणा इति विधिः ॥ ॥ गंगा वरुणा वसुधा दिवा कृत्वा प्राकारु न
 ह्नायि विराय ॥ काला काला ॥ अं यथायदाययूजा ॥ लाश्याद्य ॥ वाद

पादे श्रीरुनिष्यं च विद्वां वा उ य निष्ठा भन म लु ला धियानि समाधु ल य विरुवा ॥ ह न स
 ल च द्वा च नी मा व स म न स ल न स रु का वृ थ ॥ ध न द व क मि द य धू जा ॥ आ क र्ष ॥
 धू य ॥ नि ना उ न ॥ या या दि रा कृ ष्ण ॥ रि ध क ॥ धू य न्मा स ॥ दू डा ला ष्ठा ॥ य ॥
 वा द ल म्भु गि ॥ ग र्ध न ॥ ॥ ग ग द ॥ व ग य मू र्ध क न ॥ ॥ वृ व णु व ज य व
 रु ल य मा णी वि रु वा ॥ य र्व व नू रू ल म लु ण ॥ इ इ य नू ॥ य डा ला ष्ठा ॥ य ॥ वा द ण क
 मि ॥ ग र्ध न ॥ ॥ उ रू ॥ य य द्या दि ॥ आ इ मि वि य ॥ ॥ मि द व न इ मि वी धि ॥ ॥ ॥ ध न द्वा का

मिसा इति ॥ मिसा इति यद्वामि सथा विविध निर्युक्तं ॥ मू नमनु ॥ सुजा यथा उच्यते ॥
 नाना विधानां हिम सदाय बाल आदिर्न द्रव्यं द्रव्यं लल्लुन गुठि यिगाउ न्नी धुनि क
 इति यिगाउ न्नी सकल वृं अधिष्ठान याय ॥ धनि दाय धुम धास ॥ पूर्व संगंध
 नेव ॥ दक्षिण स हा ॥ यश्चिम स इ इ ॥ उरु न सं मथ यन ॥ धन वच धा दाय विधि
 ॥ हाव ह्ये वज्र वाचा हि ॥ ठा किर्ना ॥ लामा ॥ राव ॥ वा हा ॥ नयिनी ॥ सिंधु मा हा ना ॥ स्वा
 न्नाय विषय ल क पू यिगा का आ दीन स्व स्व मनु ॥ अधिष्ठान याय ॥ धनि हाय क

[illegible][illegible]

[illegible]

१४५
 वारुणाचनचन्द्रसूयनिदग्रहाः आयुध्यायाः ॥ १४५ ॥ वक्रवर्तः कुनयः
 ॥ १४५ ॥ नाड्यधनागः चरन्वन्नास्येयकिन्नराः भद्रयन्त्रिः ॥ १४५ ॥ अकस्मिन्निवा
 सिद्धमामरुनाड्यस्तिगायचयः ॥ १४५ ॥ निनिमर्दि वः ॥ १४५ ॥ निनिमर्दि वः ॥ १४५ ॥
 दवाः ॥ १४५ ॥ दवाः ॥ १४५ ॥ दवाः ॥ १४५ ॥ दवाः ॥ १४५ ॥ दवाः ॥ १४५ ॥
 निवासिनः ॥ १४५ ॥ निवासिनः ॥ १४५ ॥ निवासिनः ॥ १४५ ॥ निवासिनः ॥ १४५ ॥
 नगायुल्लसत् ॥ १४५ ॥ नगायुल्लसत् ॥ १४५ ॥ नगायुल्लसत् ॥ १४५ ॥ नगायुल्लसत् ॥ १४५ ॥

यक

[illegible][illegible]

15

10

5

0

माह्युयादिगणिकायायनाष्टमष्टुनविसर्जना ॥ माह्युष्टुगुलिविय ॥ ३ ॥
 कालेनगलकेकुक्ष्याशनयाचकेनाचननचकेनाउग्रावीय ॥ कायायकाया
 ननचुचकेनासविभलासहामुकु ॥ ४ ॥
 शयनेकसाहामुलरद्वहायकेन ॥ ५ ॥
 दिनीदिवङ्गनयुष्मत्यिनाश्म ॥ ६ ॥
 नाश्मिन्नुत्तरयकुशासनसूयनिष्ठगानाकुशासननाशुद्रायादिनायुष्मत्यिनाश्म ॥ ७ ॥

ननामत्ययायनस्यप्रियुद्राष्टाद्विष्टुयाननाथरुद्रनययुयमेयनिष्ठुसा
 कानायाद्याचिमनीयाकण्ठिनाडेनुत्तरयवजगन्निस्वाहानाडेनुत्तरयवजगिलकल्लव
 लास्वाहानांयादिनागाम्बूल ॥ ८ ॥
 यनेमित्यादिनांनिजुग्निकि ॥ ९ ॥
 काष्टदियानयगार्थत्वास्वकोणसधनकसाहामुनकुक्षालरद्वहायकेनाशुद्रा
 मुकमासशुक्रादियद्रुमूकनित्वायुमूनकठुमूकयालग्नामूकदसलेयध

cmts. 5 10 15 20

नमिगर्गसविक्रमिगर्गनामिगर्गचन्द्रमसिनायथायुर्वेदाधिसत्त्वान्नीचनरुदो
 निसत्त्वरुगवद्विगागायितयुर्वेगमथ्यःसकयुर्वेगमथ्यःसकनाकथ्यायुर्वेगमथ्यःविधा
 र्गमत्काऽययऽयत्वायस्यादिवद्विगागायितयुर्वेगमथ्यःसकयुर्वेगमथ्यःसकनाकथ्यायुर्वेगमथ्यःविधा
 ५मकनामत्वेयाययऽयत्वायस्यादिवद्विगागायितयुर्वेगमथ्यःसकयुर्वेगमथ्यःसकनाकथ्यायुर्वेगमथ्यःविधा
 कनामत्वेयाययऽयत्वायस्यादिवद्विगागायितयुर्वेगमथ्यःसकयुर्वेगमथ्यःसकनाकथ्यायुर्वेगमथ्यःविधा
 दीयकयुर्वेगमथ्यःसकयुर्वेगमथ्यःसकनाकथ्यायुर्वेगमथ्यःविधा

१२

समन्तानि विष्णुनामऽयत्वायस्यादिवद्विगागायितयुर्वेगमथ्यःसकयुर्वेगमथ्यःसकनाकथ्यायुर्वेगमथ्यःविधा
 नमऽयत्वायस्यादिवद्विगागायितयुर्वेगमथ्यःसकयुर्वेगमथ्यःसकनाकथ्यायुर्वेगमथ्यःविधा
 ५मकनामत्वेयाययऽयत्वायस्यादिवद्विगागायितयुर्वेगमथ्यःसकयुर्वेगमथ्यःसकनाकथ्यायुर्वेगमथ्यःविधा
 कनामत्वेयाययऽयत्वायस्यादिवद्विगागायितयुर्वेगमथ्यःसकयुर्वेगमथ्यःसकनाकथ्यायुर्वेगमथ्यःविधा
 दीयकयुर्वेगमथ्यःसकयुर्वेगमथ्यःसकनाकथ्यायुर्वेगमथ्यःविधा

किं श्रुत्युक्तं हि यत्तु अथ यथादिवाकनयुष्मागाश्चिदान्तात्कः श्रुत्युक्तं
 त्वादिद्वैतगयुष्मागिनाश्मूकनामत्वेयायगस्ययिगाश्मूकनामत्वेयायचिद्वैतः
 श्राद्धयिष्ठुयागनार्थयिष्ठुसर्गः मूयनिष्ठुगाः ॥ यय्यत्यागाश्मूकनामत्वे
 यायगस्ययिगाश्मूकनामत्वे यायचिद्वैतः श्राद्धयिष्ठुयागनार्थयिष्ठुसर्गः ॥ ३
 नमूयनिष्ठुगाश्मूकनामत्वे यायगस्ययिगाश्मूकनामत्वे यायचिद्वैतः
 नामद्वययिगाश्मूकनामत्वे यायचिद्वैतः सफयुक्तवैत्याश्मूकनामत्वेय

यथा श्रुत्युक्तं हि यत्तु अथ यथादिवाकनयुष्मागाश्चिदान्तात्कः श्रुत्युक्तं
 त्वादिद्वैतगयुष्मागिनाश्मूकनामत्वेयायगस्ययिगाश्मूकनामत्वेयायचिद्वैतः
 श्राद्धयिष्ठुयागनार्थयिष्ठुसर्गः मूयनिष्ठुगाः ॥ यय्यत्यागाश्मूकनामत्वे
 यायगस्ययिगाश्मूकनामत्वे यायचिद्वैतः श्राद्धयिष्ठुयागनार्थयिष्ठुसर्गः ॥ ३
 नमूयनिष्ठुगाश्मूकनामत्वे यायगस्ययिगाश्मूकनामत्वे यायचिद्वैतः
 नामद्वययिगाश्मूकनामत्वे यायचिद्वैतः सफयुक्तवैत्याश्मूकनामत्वेय

गृह्यादिवङ्गनयुष्मल्लिगाश्मूकनामधेयाय गृह्यायिगाश्मूकनामधेयाय स
 नासादेकासलना समात्सासमांसासाकाः सवधयः सवधियकवणसहिगायः सर्वक
 ३ स्मिगवर्जिगायद्विद्वन्मगद्वाश्यामि । सवधयधयदायगन्धनेवेद्यादिसंयुक्तं गियद
 आद्वियिष्टुः स्वधाहं ॥ ॥ अथ ॥ दिवाकनयुष्मल्लिगाश्मूकनामधेयाय गृह्य
 ययिगाश्मूकनामधेयाय सद्युगासादकाद्यादि गियद्विष्टुः स्वधाहं ॥ ॥ अथ
 आदिवाकनयुष्मल्लिगाश्मूकनामधेयाय गृह्यवृद्धयिगाश्मूकनामधेयाय यिगामह

ययिगामहवृद्धयिगामहयिष्टुः स्वधाहं ॥ ॥ अथ ॥ सफयकथथाश्मूकनामधेयाय गिय
 कश्चाद्वियिष्टुः स्वधाहं ॥ ॥ अथ ॥ आदिवाकनयुष्मल्लिगाश्मूकनामधेयाय गिय
 गामाकगवथेसवर्जिग्विष्टुः स्वधाहं ॥ ॥ अथ ॥ धनवाजाय गथा गगायाहं भस्मकं म्वद्वा
 यनअथा ॥ ॥ अथ ॥ सवर्जिग्विष्टुः स्वधाहं ॥ ॥ अथ ॥ आदिवाकनयुष्मल्लिगाश्मूकनाम
 धेयाय सर्वकमाववणदिष्टाधनस्वधाहं ॥ ॥ अथ ॥ आदिवाकनयुष्मल्लिगाश्मूकनाम
 ययिगामहवृद्धयिगामहयिष्टुः स्वधाहं ॥ ॥ अथ ॥ सफयकथथाश्मूकनामधेयाय गिय
 कश्चाद्वियिष्टुः स्वधाहं ॥ ॥ अथ ॥ आदिवाकनयुष्मल्लिगाश्मूकनामधेयाय गिय
 गामाकगवथेसवर्जिग्विष्टुः स्वधाहं ॥ ॥ अथ ॥ धनवाजाय गथा गगायाहं भस्मकं म्वद्वा

15

10

नयस्वधावाधना ॥ ३ ॥ अमृतकंठनाजायगथागगायाहिसम्यक्क्रीवृद्धायनयथा
 ३ ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ इव ॥ अमृतसीरुव ॥ अमृतविकानकामितसर्वकर्मकृष्णकरी
 यस्वधाह ॥ ३ ॥ अमृत ॥ महाय ॥ ३ ॥ अयनमिनपूत ॥ यत्तयाह ॥ नर ॥ वाय ॥ ३ ॥
 चयायस्वधाह ॥ ३ ॥ अमृत ॥ सर्ववि ॥ ३ ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥
 अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥
 अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥ अमृत ॥

5

नायुक्तालेगा ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥
 अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥
 अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥
 अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥
 अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥
 अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥
 अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥ अमृतनाम ॥ अयनाय ॥

0

cmnts.

5

10

15

20

[illegible]

15

10

ववाचवाणाः सर्वविधानां ह्ययंगामिकवयिषु स्वधासु उं विकान्तिलादकविषु अद
स्वधाहं स उं विकलनिलादकाचमनीयुनिगृह्णाताः स उं सर्वविधि कनवाकनसर्वहस्य
कथयुर्ववर्गनाहिक्रमानमणुल
शायनकसीहामुलैखकनकंन
प्रायावनसर्वसत्वाः सल ४ सङ्गुहसं गृह्णाताः अणुकावाजवायुकावासे स्वदकावाडा
ययाइकावावयित्वाव अकयित्वावासीगितावा असीगितावा नेवसीगितावा नासं

७

जिनावासर्वगिसत्वामया महामुडामनुयदयनिष्ठापयिगवागयत्वा मृत्कनासाधा
नात्यक्तायैगवणानकात्यक्तागाम्नीयसंयनर्गद्वयनमाम्यहं ॥ १ ॥ यत्क्यवरु
दकावालाः स्याः शमास्तव ॥ वि
मृत् ॥ ७ ॥ उं नमाः श्राश्राक्
यनयिगियायावर्गनाक शखककायाववाक्ता अयुअमकमास श्रुकादियदं अम
दनिथो अमकनकं अमकयाग अमकवासवयथाना मगदं सविगनिगथ

15

10

नासिभनचलमसि यधानगधगगायवम्वाधिरु लचयश्चिन्तुवाधिसत्वकि
दिर्मानापितृपूर्वज्ञभस्यः सकयूषस्यः सकनाकस्थायुषमशक्तिधावगात्वाऽथयऽथ
नाडिस्थादिर्वेज्ञगयूषालिगायूम कनामधियायऽऽशासनभंडयशुमिस्व
हं॥३॥ शनं॥ गभववा कनयकास नमूयनिष्ठिगाः॥ लयनं॥ अष्टादश
प्रतिपद्युस्वधाहं॥ शरत् संवत्तहाय॥ उर्वरुधविद्ययागयहं॥ कठानठयकवा रेनमाल
भवत्य सर्वेइगनियनिष्ठावनवाजायगधागगायाहर्गिसम्यक् मूढाय॥ नश्वरं॥ उर्वरा

5

धनं॥ सर्वयायविष्ठावनं॥ शुद्धावधुद्धदिदं जगत्पूमुकनामधियायसर्वकर्मविनऽवि
त्माधनं॥ शुद्धावधुद्धदिदं जगत्पूमुकनामधियायसर्वकर्मविनविष्ठावनं॥ वाधा
हं॥ शरत् संवत्तहाय॥ उर्वरुधविद्ययागयहं॥ कठानठयकवा रेनमाल
गायनागयथा॥ उर्वरुधविद्ययागयहं॥ कठानठयकवा रेनमाल
वेकर्मविष्ठावनं॥ शुद्धावधुद्धदिदं जगत्पूमुकनामधियायसर्वकर्मविनविष्ठावनं॥ वाधा
नायचयायस्वधाहं॥ शरत् संवत्तहाय॥ उर्वरुधविद्ययागयहं॥ कठानठयकवा रेनमाल

१५
 १०
 ०
 ५
 १०
 १५
 २०
 २५
 ३०
 ३५
 ४०
 ४५
 ५०
 ५५
 ६०
 ६५
 ७०
 ७५
 ८०
 ८५
 ९०
 ९५
 १००

दंडादिष्टकायस्वधा॥मत्वेनाउंसर्वविद्वाजयूनकरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उंस
 वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥ज्मलसं॥उंसर्ववित्कदलारुलायस्वधा॥म्याचनाना
 निगरुलायस्वधा॥नानिगसं॥नामूनायस्वधा॥ग्यन॥अष्टाला॥था॥य २०
 ॥वादनरुगिनामकुगय॥उंसर्वविद्वाजयूनकरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उंस
 लयालमिनायुक्तं॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥ज्मलसं॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उंस
 मिनायुक्तं॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥ज्मलसं॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उंस

उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥ज्मलसं॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उंस
 वादनरुगिनामकुगय॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥ज्मलसं॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उंस
 लयालमिनायुक्तं॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥ज्मलसं॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उंस
 मिनायुक्तं॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥ज्मलसं॥उंसर्वविद्वाजिनरुलायस्वधा॥कं॥सं॥उंस

नय भावेन सखा वेदः खयातिनाः ॥ नित्यं अनुरुतायां सम्प्रकाशं ॥ १
 मयामिः ॥ अङ्गुलीय नय कला हास्य संख्य कनकं न ॥ ३ ॥ अङ्गुलीय मयामिः ॥ ३ ॥
 यदे ॥ ० ॥ त्यादिः ॥ ॥ या वन सखा ॥ ॥ वसत्वा ॥ ॥ सखा ॥ ॥ संगृहाणा ॥ ॥ अङ्गुलीय ॥ ॥ वाजना ॥ ॥
 पुजावा ॥ ॥ संख्य दगावा ॥ ॥ आययाइ ॥ ॥ कावा ॥ ॥ कयित्वावा ॥ ॥ अङ्गुलीय ॥ ॥ वा ॥ ॥ संख्य ॥ ॥
 नावा ॥ ॥ अङ्गुलीय ॥ ॥ नावा ॥ ॥ नवसेजिनावा ॥ ॥ नासंजिनावा ॥ ॥ सर्वने सखा मयामिः ॥ ॥ महामुद्रम ॥ ॥
 मुद्रयदयुतिष्ठाययिनव्या ॥ ॥ एवामुद्रमहाध्यानाय ॥ ॥ एवामुद्रमहाध्यानाय ॥ ॥ एवामुद्रमहाध्यानाय ॥ ॥

यसंयननं वृद्धयुगमाम्यहं ॥ निचयनिचयलया निश्चयुगदवात्सुचानवा ॥ १ ॥
 उली ॥ ॥ रुद्रका ॥ ॥ नानं ॥ ॥ वृद्धयुगमाम्यहं ॥ ॥ अननममयुगलयादि ॥ ॥ नित्यं अनुरुता ॥ ॥
 यां सम्प्रकाशं ॥ ॥ मयामिः ॥ ॥ निचयनिचयलया निश्चयुगदवात्सुचानवा ॥ ॥ ॥
 चस्यैरुर्जन ॥ ॥ या वन सखा ॥ ॥ वसत्वा ॥ ॥ सखा ॥ ॥ संगृहाणा ॥ ॥ अङ्गुलीय ॥ ॥ वाजना ॥ ॥
 मुद्रनामलयाय सुखावत्यां ॥ ॥ यथा ॥ ॥ मुद्रनामलयाय सुखावत्यां ॥ ॥ यथा ॥ ॥ मुद्रनामलयाय सुखावत्यां ॥ ॥
 विष्णुधनं दिवङ्गनमूकनामलयाय सुखावत्यां ॥ ॥ यथा ॥ ॥ मुद्रनामलयाय सुखावत्यां ॥ ॥ यथा ॥ ॥

[illegible][illegible]

15

10

नायाय... रवीकावैजविध्यवज्ज... विनादावर्कविराया... धूय... निनाजिन...
वलिदुपानथायनयन... वासैज... हाथयुजायाचक... पालव... क्काय... नरुयानक...
आकन... नगा... ससयक... चालिसगयाव... मसदावक... वज्ज... २०
सा... यना... सकेनक... वज्ज... उवा... मगरुनभाय... कलंसलीधनहाय
नारिधुननवि... यय... दिस्केगयक... अउवावर्ग... चरुर्ग... वरैगममालन...
यिचास्वदि... नम... मानानकोबायक... कदाय... वादानन... वरववसर्थ...
मास ३ ४४व... ४४व...

5

नानवकी... वजनधिसीगयाव... धिस्सनयायमक... उंनमसर्ववृद्धानां उंमहाय
त्यैगिना... चकवर्किसर्वयंगमकुवद... ॐ लु रुवनवद्ववृषदवैवध... धानय...
रुवाडिना... यनकनचिरुयादि... क... चिंदर... रिंदर... चिनिश... मिनिश... मिनिश...
रुदूर... स्वाहा... डि... रुनवृचको... क... मिहाथयुजायाय... धिनिहाय... यन...
यैडिनादावर्क... कयैकल्यैसहयुर्क... वद... लुदवगासर्वैविनिअग्नि... जलवायुव... जा
वत्स... सुनिगा... वाजावर्ग... गामहित... ल... चन्द्रावर्ग... गगनवद्वजाव... लावर्क... विजयिरु

5

व ॥ ॥ धीमातिन मधु नृधनं ॥ स्वानमानक ॥ नमस्त्वहावक ॥ यथा ॥
 स गगनमयक ॥ ददि लायूजा यार्वक ॥ अरिषक विच ॥ आशिर्वाद ॥ विमर्जन ॥ धि
 सिमाप्राय विधानम् ॥ ७ ॥
 अगमदान निखिग्नय मूदिन
 य विरुय विरुयार्त वाचका रुत ॥ १ ॥ ॥ निखिग्नय ज्ञान महाविदा वलडा
 वार्य पुनर्नन ॥ ७ ॥ ॥ शुभमज्ञन रुव शुभ सई दकार्य ॥ १ ॥

0

cmts.

5

10

15

20